RNI No.: RAJHIN/ 2014 / 65130

राजस्थान नेत्र ज्योति

वर्ष : 11 अंक : 4 अक्टूबर – दिसम्बर 2025

अपनी वसीयत में लिखिए कि मरणोपरांत आपके नेत्रदान किए जायें

आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान

सम्पादकीय

नव वर्ष की आपको एवं आपके परिवार को हार्दिक शुभकामनाएं!!!

वर्ष 2025 का नेत्र ज्योति का अंतिम अंक आपके हाथ में सौंपते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है। वर्ष भर के कॉर्निया संग्रहण एवं उपयोगिता का प्रतिशत जहां हमें अत्यंत संतुष्टि देता है, वहीं यह भी सत्यापित करता है कि नेत्रदान की मुहिम की सफलता में कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। वे समाज एवं नेत्रदान की सम्पूर्ण प्रक्रिया के बीच सेतु का कार्य करते हैं। उनका संवेदनशील संवाद ही शोकग्रस्त परिवार को अपने प्रियजन का नेत्रदान करने के लिए प्रेरित करता है। परिवार के लोगों को नेत्रदान की संपूर्ण प्रक्रिया से अवगत कराते हुए, उनकी भ्रांतियों का तर्कसंगत समाधान भी ये तुरंत प्रस्तुत करते हैं।

नवंबर एवं दिसंबर माह में विशेष परिस्थितियों के कारण जयपुर में एसएमएस अस्पताल से कॉर्निया कलेक्शन नहीं हो पाया था। ऐसी परिस्थितियों में जयपुर के सभी टेक्निशियन्स ने नेत्रदान के लिए लोगों में जागरूकता के नए आयाम तलाशे। अधिकाधिक लोग जहां एकत्रित होते हैं उन मन्दिरों में हेल्प डेस्क लगाई गई। वहां जानकारी प्राप्त कर नेत्रदान के लिए संकल्प पत्र भरकर देने में लोग आगे आए। इस दौरान वॉलंटरी कॉल्स भी सबसे अधिक आई। जो कॉर्निया इस समयावधि में प्राप्त हुए उनकी गुणवत्ता बहुत अच्छी रही, जिससे अधिकांश कॉर्निया उपयोग में लिये जा सके।

अन्य जिलों में संचालित कॉर्निया कलेक्शन सेंटर्स पर जयपुर के कुछ टेक्निशियन वहां भेजे गए। उन्होंने वहां कार्यरत टेक्निशियन्स को प्रेरित किया कि राजकीय अस्पतालों के वार्डस एवं मोर्चरी में जाकर वहां के नर्सिंग स्टाफ से संपर्क कर उन्हें समझाया जाए कि दुर्भाग्यवश यदि किसी की मृत्यु हो जाती है तो वह आपको सूचित करें, जिससे कि नेत्रदान के लिए आगे की कार्यवाही आप उनके परिवार के लोगों से समझाइश करने पर कर सकें। कॉर्निया निकालते समय ध्यान में रखी जाने वाली सावधानियों से भी उन्हें परिचित कराया गया। इस प्रकार के मेंटरशिप प्रशिक्षण के माध्यम से प्राप्त होने वाले कॉर्निया की गुणवत्ता एवं संख्या दोनों में ही बढ़ोतरी देखी गई। इससे सभी का मनोबल बढ़ा।

जो कलेक्शन सेंटर्स कुछ समय से कॉर्निया कलेक्शन में बहुत पीछे चल रहे थे उनमें भी इस संपर्क कार्यक्रम से उत्साह का संचार हुआ एवं वे अस्पताल एवं वॉलंटरी कॉल के माध्यम से अधिक संख्या में कॉर्निया एकत्रित कर पाए ।

हम उन सभी नेत्रदानी परिवारजनों का तहे दिल से आभार प्रदर्शित करते हैं जिन्होंने अपने प्रियजन के नेत्रों का दान कर उन्हें ही अमर नहीं किया है अपितु अंधकार से उजाले की ओर लाने की इस मुहिम में शामिल होकर दूसरों के प्रेरणा स्रोत बन गये हैं।

किसी की पहली सुबह,
आपके अंतिम निर्णय से हो सकती है।

उषा बापना
संपादक

President Message

प्रिय साथियों,

नववर्ष के अवसर पर आपको और आपके परिवार के सभी सदस्यों को मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ स्वीकार करें। ईश्वर आपको सुख-समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य प्रदान करें।

वर्ष 2025 में कुछ चुनौतियाँ सामने आईं जिनका हमारे प्रदर्शन पर प्रभाव पड़ा। जैसा कि आप जानते हैं, बहुत ही कमजोर आधार पर एसएमएस अस्पताल में हमारी गतिविधियों को अस्पताल प्रशासन ने बिना किसी परामर्श के रोक दिया था। काफी समझाने-बुझाने के बाद विवेकपूर्ण निर्णय लिया गया और लगभग 100 दिनों बाद ईबीएसआर का कार्य पुनः प्रारंभ हुआ। निश्चित रूप से, उस अवधि में खोई हुई कॉर्निया की भरपाई संभव नहीं है। फिर भी, कर्मचारियों की दृढ़ निश्चय ने सुनिश्चित किया कि संगठन का समग्र प्रदर्शन प्रभावित न हो, बल्कि और बेहतर किया। मुझे यह आपसे साझा करते हुए खुशी हो रही है कि पिछले वर्ष हमने 2624 कॉर्निया एकत्र किए, जिनमें से 1745 का प्रत्यारोपण किया गया और उपयोग दर 67% रही। यह तब है जब तीन महीने तक हमारे प्रमुख चेप्टर जयपुर से कोई योगदान नहीं मिला। यह देखकर हर्ष होता है कि अन्य अध्यायों ने बेहतर प्रदर्शन कर इस कमी को पूरा किया और हमें अच्छे परिणाम दिए। दिसंबर 2025 में हमने 200 कॉर्निया में से 167 का प्रत्यारोपण किया, उपयोग दर 85% रही। उल्लेखनीय उपलब्धि। चेप्टर्स का बहुत-बहुत धन्यवाद।

पिछले वर्ष हमने अज़ीम प्रेमजी फाउंडेशन का तीन वर्षीय प्रोजेक्ट सफलतापूर्वक पूरा किया। हमने सभी लक्ष्यों को निर्धारित समय सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ प्राप्त किया। हमारे प्रदर्शन और समाज के प्रति दृष्टि प्रदान करने की प्रतिबद्धता को देखते हुए, फाउंडेशन ने अब हमें 2026-2028 के लिए एक और प्रोजेक्ट दिया है। इस नए प्रोजेक्ट का प्रमुख कार्यक्रम होगा कम्युनिटी आउटरीच प्रोग्राम ऑन व्हील्स। इसके अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में नेत्र स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किए जाएंगे ताकि लोगों को उनके निकट ही उचित नेत्र देखभाल सुविधाएँ मिल सकें। इस प्रकार हम बड़ी संख्या में लोगों तक पहुँच पाएंगे और उन्हें नेत्रदान प्रक्रिया के बारे में जानकारी भी मिलेगी। यह जागरूकता फैलाने का प्रभावी माध्यम होगा। प्रारंभ में यह दो जिलों में होगा, जिसे बाद में अन्य जिलों तक विस्तारित किया जाएगा।

हमारे सदस्यों की नेत्रदान गतिविधियों और संसाधन जुटाने में भागीदारी को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है। अप्रत्याशित रूप से सरकारी अनुदान जारी न होने और व्यक्तियों से दान की कमी के कारण हमारी वित्तीय स्थिति प्रभावित हुई है। अतः सदस्यों से अनुरोध है कि वे जागरूकता गतिविधियों के आयोजन और संसाधन जुटाने में अधिक सक्रिय हों।

हमें अपनी रणनीति को पुनः समायोजित करने की आवश्यकता है ताकि अधिकतम लोगों तक नेत्रदान का संदेश पहुँच सके और नए समर्पित लोगों को हमारी गतिविधियों से जोड़ा जा सके। गतिविधियों के प्रकार और क्षेत्रों का चयन भी नए दृष्टिकोण से करना होगा। यह तभी संभव है जब अधिक सदस्य ईबीएसआर की गतिविधियों में भाग लें। हम नवीनतम तकनीक को अपनाकर अपने मिशन में अधिक लोगों को जोड़ सकते हैं।

मैं आपके व्यावहारिक और रचनात्मक सुझावों तथा भागीदारी के प्रस्तावों का स्वागत करूंगा। आशा है कि यह नया वर्ष हमारे लिए अत्यंत फलदायी होगा।

मैं सभी कर्मचारियों और उनके परिवारों को भी नववर्ष की शुभकामनाएँ देता हूँ।

आइए हम सब मिलकर ईबीएसआर को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाएँ।

बीएल शर्मा
अध्यक्ष

APF Project:

APF Project: Plan for Consolidation, Integration and Strengthening of Eye Banking (2026-2028)

Eye Bank Society of Rajasthan (EBSR), a nonprofit organisation established in the year 2002, is a registered Society dedicated to Spreading Awareness about Eye Donation & Restoration of Eyesight of Corneal Blind People thereby contributing to the National Programme of Eradication of Corneal Blindness.

So far, our Society has collected a total of 26914 corneas, out of which 17379 have been transplanted, thereby restoring sight of 17379 corneal blind persons. Although this progress looks very impressive but it is a small step towards the elimination of corneal blindness as total number of corneal blind persons in Rajasthan is around 3 lakhs. It started its activities in the SMS hospital. Gradually we expanded to others cities to pursue its Mission by involving local NGOs, social workers and philanthropic persons. Presently we have 14 chapters covering 16 districts of the State. In order to meet rising expectations of the corneal blind persons, it is imperative for us to further intensify our operations in our operational areas and also to expand to new areas.

2. Financial Resources

The EBSR does receive some grants from the government of Rajasthan, which is a nominal amount totally insufficient to run our routine operations, let alone expansion and consolidation. The EBSR generates its resources though contributions by individuals, philanthropists and organizations.

3. APF Previous Project

In our efforts to approach new organisations for attracting funds under CSR, we approached Azim Premji Foundation (APF) for CSR grants in the year 2019. With numerous discussions and modifications in our proposal, APF finally sanctioned a Project in the year 2022 for a three year period beginning from 1st January 2023 to 31st December 2025. The Project focussed on 'Strengthening of Existing Infrastructure and Expansion to New Centres for Eye Collection and Community Outreach Programme for Spreading Awareness about Eye Donation".

4. APF Present Project

During pendency of the previous Project, we submitted a new project building upon our experiences from the previous Project. Our focus in this Project is on "Strengthening & Expansion of Eye Collection Activities and Reaching to Community for Spreading Awareness about Eye Donation". Efforts will also be made to integrate all activities so as to contribute towards Eradication of Corneal Blindness. After discussions, the Project was sanctioned on 29th December 2025. Total Project outlay is Rs. 1.73 crores. The Project will cover seven districts.

5. Strategy of the Project and its Components:

(1) Strengthening of Existing Infrastructure: As Corneas Collections Centres in the previous Project are performing well, it is proposed that the APF continues to support them for sustenance as well as enhancement of cornea collections. 1460 corneas will be collected from following three centres. Strengthening of the activities is proposed as follows:

(a) Ajmer: Cornea collections from the Ajmer chapter has shown substantial improvements. It is proposed to continue support to this chapter. Funds will be provided to support one Assistant Manager, one EDCT and operational expenses of the chapter.

(b) Bikaner: Bikaner Eye Collection Centre was

started in the year 2023 under the Previous APF Project. It has shown promising trends and has more potential for cornea collections. It is proposed to continue support to this chapter. Funds will be provided to support one EDCT and operational expenses of the chapter.

(2) **Network Expansion Programme:** The Project coverage will be expanded to three new centres which has good potential. 640 corneas will be collected from following three centres. Details of the expansion programme are as follows::

(a) **Beawar:** Beawar was earlier part of Ajmer district and was covered by Ajmer chapter. Now Beawar has been constituted as a new district with 7 tehsils. It has good potential. Therefore a new centre has been proposed under the Project. The Project will provide funds for one Assistant Manager, one EDCT and operational expenses for the centre. Assistant Manager will also supervise other Eye Collection Centres under the Project.

(b) **Jodhpur:** Jodhpur centre is well-established with one EDCT. Jodhpur is a big town with many Government hospitals, AIIMS and private hospitals. Coverage of the town and nearby areas can be increased by posting one more technician. The Project will provide funds for one EDCT and operational expenses.

(c) **Churu Hq Sardarshahar:** This centre was started in January 2025 from our own resources. It has shown good performance in the short period due to local support and committed team. With proper system and adequate support in place, the number of cornea collections can be significantly increased. The Project will provide funds for one EDCT and its operational expenses.

(3) **Community Outreach & Awareness:** Community Outreach Programme at Dausa was undertaken in the previous Project. This has helped in conveying message abound eye donation amongst people. Learning from our experiences from Community Outreach Programme at Dausa, the programme is modified to Community Outreach Programme on Wheels. A Mobile van will be used to cover more areas in a shorter time. This Project covers eye collection activities in five districts. We already have centre at Bhilwara, but progress is poor due to lack of awareness. The collections from Jaipur chapter are good but it can be augmented by increasing eye donation awareness in rural areas. Therefore, community outreach programmes will also be undertaken in Bhilwara and Jaipur districts. Thus community outreach programme will be taken up is seven districts, namely; Ajmer, Beawar, Bhilwara, Jodhpur, Bikaner, Jaipur and Churu districts. The programmes will have two components:

(a) **Mobile Health Camps:** Mobile health camps will be organised in collaboration with local NGOs, semi-government bodies and community organizations. 72 health camps will be organised in seven districts. In these camps, comprehensive eye screening services will be offered, along with the free distribution of required medicines and corrective spectacles. Identified cases of eye related diseases, cataract or corneal blindness will be referred to government hospitals for treatment. Besides health check up, adequate publicity will be made to spread awareness about eye donation and publicity material will be distributed.

(b) **Awareness Workshops:** Interactive workshops will be held with public and stakeholders such as schools, colleges, women's groups and Panchayati Raj Institutions to enhance awareness at grassroot-level. 120 awareness workshops will be organised in seven districts. The participants in these workshops will carry the message about eye donation to general public.

(3) **EBSR Head Quarter:** For implementing this Project, EBSR headquarter need to be strengthened. One Deputy Manager will be posted in the head quarter, who will be in charge of the Community Outreach Programme. He will also be responsible for the overall coordination of the Project. One

Accountant will also be posted in the head quarter for maintenance of the accounts of the Project and related activities. manage the programme.

Thus the Project approach represents a strategic shift from expansion to consolidation with integrated service linkages. By strengthening governance and deepening outreach, the Eye Bank Society of Rajasthan will ensure higher impact and sustainability. This will build a strong foundation for success of our mission to eliminate corneal blindness in Rajasthan.

Lalit Parkash Kothari
Vice President

Eye Donation: A Gift of Light Beyond Life

Eyes are not just organs of vision; they are windows to the world. For millions of people suffering from corneal blindness, the simple act of eye donation can restore sight and transform lives. Yet, due to lack of awareness and prevailing myths, the number of eye donations in our country remains far below what is required.

Every year, a large number of people lose their eyesight due to corneal diseases or damage. The encouraging fact is that one eye donor can give vision to two blind persons. The cornea, when transplanted in time, can bring back light, independence, and dignity to someone's life. Unfortunately, misconceptions—such as age limits, previous eye surgeries, or health conditions—often prevent families from taking this noble step.

Our family experienced this first-hand.

On 28th October 2024, after the demise of my elder brother, COLONEL S K MALHOTRA, we wished to donate his eyes. Initially, we hesitated because he had undergone a cataract operation earlier. Like many others, we believed that eye donation might not be possible after such a procedure. At that crucial moment, a friend and a member of the Eye Bank, came to our rescue. With patience and clarity, he explained that cataract surgery does not prevent eye donation and that corneas can still be successfully used to restore vision.

He not only dispelled our doubts but also guided us through the entire process with sensitivity and efficiency. Because of his timely guidance, we were able to fulfill our heartfelt wish. Today, two individuals—totally unknown to us—can see the world because of my brother's eyes.

The feeling is beyond words. There is deep solace in knowing that although my brother is no longer with us physically, a part of him still lives on, continuing to spread light and hope. His legacy is not just remembered—it is seen every day through the eyes of those he helped.

This experience has strengthened our belief that eye donation is one of the most profound acts of humanity. It costs nothing, does not disfigure the body, and yet gives an immeasurable gift to others. The process is simple, dignified, and guided by trained professionals.

We urge everyone to:

Pledge your eyes voluntarily,

Inform your family members about your decision,

Break myths and spread awareness.

Let us remember that death is not the end of giving. Even after life ends, we can continue to illuminate lives.

We remain extremely grateful to our friend Ravi Kamra for his guidance and compassion, which helped us turn grief into hope and loss into light.

DONATE EYES. Give SIGHT. Let LIGHT Live on.

Brigadier R. K. Malhotra

VISION WORKSHOP QUARTER-3

The Vision Workshop organized by the Eye Bank Society of Rajasthan brought together office bearers and Eye Donation Counsellor Technicians from various chapters to review organizational performance for the third quarter of 2025, strengthen technical capacities, and align strategies for improved eye banking outcomes. The deliberations were supported by detailed data presented through the Vision Workshop Q3–2025 presentation, which formed the basis of discussions and analysis.

The workshop commenced with welcoming remarks and orientation, followed by a structured presentation of the Progress Report for Quarter 3 – 2025. Participants reviewed Quarter-1, 2 & 3 month-wise progress and overall trends in cornea collection and utilization during the quarter.

Quarter	Collection	Transplant	Utilization Rate
Q1	770	428	55.5%
Q2	748	501	66.9%
Q3	604	435	72%

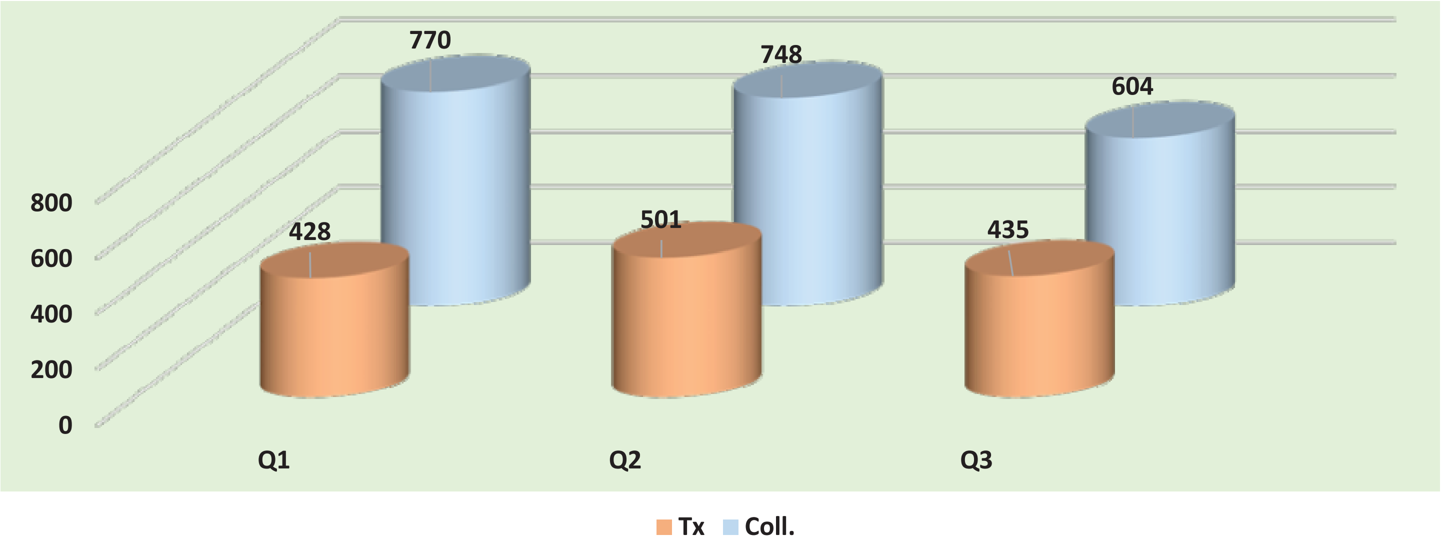

A comparative analysis of Hospital Cornea Retrieval Programme (HCRP) versus Voluntary Donations across Q1, Q2, and Q3 of 2025 highlighted the growing contribution of hospital-based retrieval and the need for sustained community engagement to strengthen voluntary donations. Discussion regarding the inter relation between HCRP/Voluntary Cases and their Utilization rate was conducted with the purpose to focus on gradual improvement n Utilization Rate of Cornea.

	Q1	Q2	Q3	Total
Total Vol. Coll.	212	240	210	662
Total Vol. Tx	62	129	126	317
Utilization Rate (In %)	29.25	53.75	60.00	47.89
Total HCRP Coll.	558	508	394	1460
Total HCRP Tx	366	372	309	1047
Utilization Rate (In %)	65.59	73.23	78.43	71.71
Total Coll.	770	748	604	2122
Total Tx	428	501	435	1364
Utilization Rate (In %)	55.58	66.98	72.02	64.28

Detailed chapter-wise contribution data for Q3–2025 was presented, enabling chapters to benchmark their performance and identify best practices. the discussion was held on strategy to enhance cornea collection by high potential- low performance chapters with the concerning person.

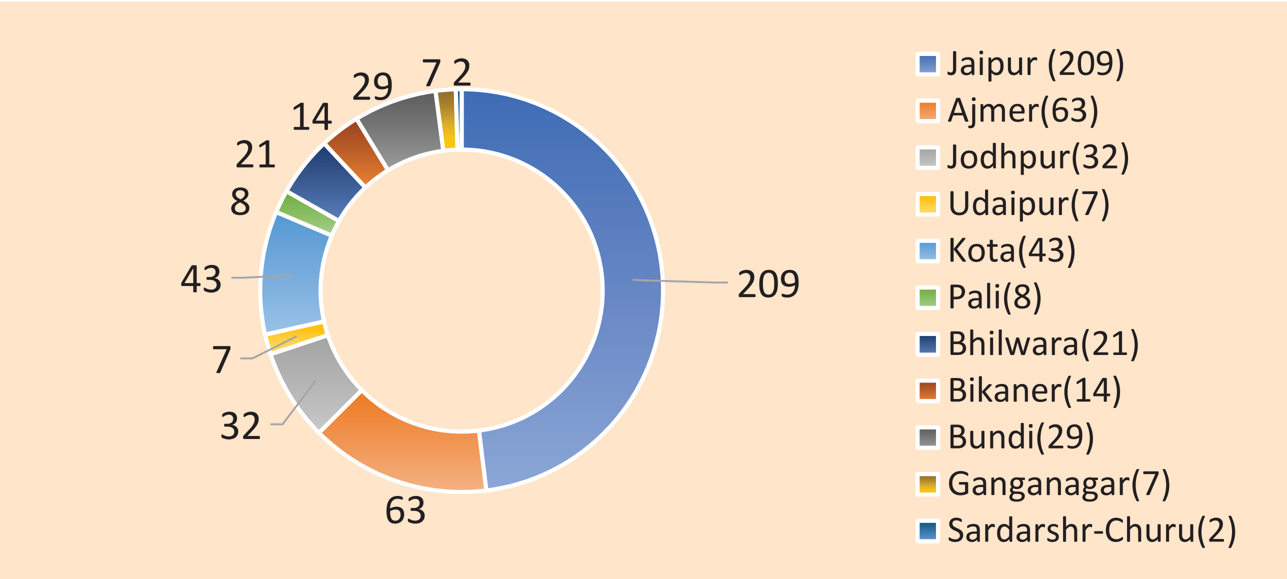

This was complemented by an in-depth review of counsellor performance for the third quarter, where key performance indicators such as awareness activities, death notifications received, cases screened, consent percentage, target achievement, HCRP performance, and utilization rate were discussed. The data-driven approach encouraged objective assessment and constructive feedback.

Special recognition was given to outstanding performers based on the pre-defined scoring parameters. For Quarter 3 Star Performer was Sh. Ramesh Dadarwal, Jaipur (Score: 219), Runner Up was Sh. Prahlad Tanwar, Jaipur (Score: 214.5) ; and High-Performance Field Technicians for August 2025 was Sh. Prahlad Tanwar, Jaipur Chapter and for September 2025 Sh. Tinkoo Ojha, Kota Chapter & Sh. Ramesh Dadarwal, Jaipur Chapter were

High-Performance Field Technicians and Runner Up respectively. These conspicuous performers were acknowledged, with monthly recognition highlighting consistent excellence in July, August, and September. Overall quarterly recognition included Star Performer and Runner-Up awards, reinforcing a culture of motivation, accountability, and healthy competition across chapters.

STAR PERFORMER
Ramesh Dadarwal
Jaipur
Score : 219

STAR PERFORMER
Prahlad Tanwar
Jaipur
Score : 214.5

The workshop also emphasized the importance of structured awareness and outreach, supported by the organization's Eye Donation Helpline and pledge mechanisms. Participants were reminded of the Eye Donation Helpline Number 1800-2020-388 and the Eye Pledge missed call facility, which continue to play a vital role in facilitating timely response and public engagement.

An interactive session allowed chapters to discuss operational challenges, field experiences, and implementation issues emerging from the presented data. The collective discussion helped identify practical solutions and reinforced coordination among chapters. The workshop concluded with a reaffirmation of EBSR's commitment to data-driven monitoring, continuous capacity building, and maximizing the impact of every donated cornea in restoring sight.

Priyanka Swami
Manager - EBSR

दान में प्राप्त कॉर्निया माह अक्टूबर से दिसम्बर 2025

माह	कॉर्निया संग्रहण	कॉर्निया प्रत्यारोपण	प्रत्यारोपण उपयोगिता दर
अक्टूबर 2025	150	89	59.3 प्रतिशत
नवम्बर 2025	150	122	81.3 प्रतिशत
दिसम्बर 2025	202	170	84.2 प्रतिशत
कुल सख्या	502	381	75.9 प्रतिशत

नेत्रदान : दृष्टि देने का महान कार्य

नेत्रदान एक ऐसा दान है जो किसी व्यक्ति को दृष्टि प्रदान कर सकता है और उसके जीवन को रोशन कर सकता है। यह एक ऐसा कार्य है जो न केवल आत्म–संतुष्टि प्रदान करता है, बल्कि समाज के प्रति भी एक बड़ा योगदान है।

नेत्रदान क्या है ?

नेत्रदान का अर्थ है अपने नेत्रों को किसी ऐसे व्यक्ति को दान करना जो दृष्टिहीन है या जिसके नेत्र किसी कारण से खराब हो गए हैं। यह दान मृत्यु के बाद ही किया जा सकता है और यह एक ऐसा कार्य हे जो किसी व्यक्ति के जीवन को बदल सकता है।

नेत्रदान के लाभ

1. **दृष्टि प्रदान करना –** नेत्रदान से किसी दृष्टिहीन व्यक्ति को दृष्टि प्रदान की जा सकती है, जिससे वह अपना जीवन स्वतंत्र रूप से जी सकता है।
2. **आत्म–संतुष्टि –** नेत्रदान करने से आत्म–संतुष्टि मिलती है जो एक अनमोल भावना है।
3. **समाज के प्रति योगदान –** नेत्रदान समाज के प्रति बड़ा योगदान है, जिससे समाज में एक सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है।
4. **वैज्ञानिक अनुसंधान –** नेत्रदान से वैज्ञानिक अनुसंधान में भी मदद मिलती है, जिससे नेत्र रोगों के इलाज में नए तरीके खोजे जा सकते हैं।

नेत्रदान जागरूकता कार्यक्रम

नेत्रदान जागरूकता कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को नेत्रदान के बारे में जागरूक करना है, ताकि अधिक से अधिक लोग नेत्रदान करें। इस कार्यक्रम के तहत लोगों को नेत्रदान के लाभों के बारे में बताया जाता है और उन्हें नेत्रदान करने के लिए प्रेरित किया जाता है। इस संबंध में नेत्रदान को लेकर जो भी भ्रांतियां है उन्हें भी दूर किया जाता है।

जयपुर चेप्टर द्वारा जागरूकता के लिए किये जा रहे प्रयास आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान द्वारा पूरे वर्ष भर अनेक प्रकार जागरूकता के कार्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं।

जयपुर के प्राइवेट अस्पतालों में हेल्प डेस्क द्वारा जागरूकता।

1. महात्मा गांधी अस्पताल प्रत्येक माह में दो दिन हेल्प डेस्क लगाई जाती है जिसमें सैकड़ों लोगों को नेत्रदान के बारे में जानकारी प्रदान की जाती है। साथ ही अब तक 200 से अधिक लोगों ने संकल्प पत्र भरे हैं।
2. रुकमणी बिरला अस्पताल जयपुर में माह में दो बार हेल्प डेस्क लगाई जाती है जिसमें आगन्तुक लोगों को नेत्रदान के बारे में जानकारी दी जाती है। अब तक 250 लोगों से संकल्प पत्र भरवाये गये हैं। साथ ही सैकड़ों लोगों को नेत्रदान के बारे में जानकारी दी जा चुकी है।
3. राजस्थान अस्पताल में माह में दो बार हेल्प डेस्क लगाई जाती है जिसमें नेत्रदान की जानकारी प्रदान की जाती है।
4. सवाई मानसिंह अस्पताल में प्रत्येक सप्ताह में रजिस्ट्रेशन हॉल में हेल्प डेस्क लगाई जाती है जिसमें लोगों को नेत्रदान के बारे में जानकारी प्रदान की जाती है। अब तक 350 लोगों के संकल्प पत्र भरवाये जा चुके हैं।
5. गोविन्द देवजी के मंदिर में प्रत्येक माह की एकादशी को हेल्प डेस्क लगाई जाती है जिसमें आगन्तुक यात्रियों को नेत्रदान के बारे में जानकारी दी जाती है। अब तक लगभग 100 लोगों ने संकल्प पत्र भरे हैं।
6. खोले हनुमान जी के मंदिर में प्रात: 9 बजे से 2 बजे तक माह में दो मंगलवार को हेल्प डेस्क लगाई जाती है। जिसमें आने वाले यात्रियों को नेत्रदान के बारे में जानकारी प्रदान की जाती है।
7. विभिन्न संगठनों द्वारा आयोजित रक्तदान व मेडिकल शिविरों में नेत्रदान हेल्प डेस्क लगाई जाती है और लोगों को नेत्रदान के बारे में जागरूक किया जाता है।
8. जयपुर के दानदाताओं की तीये की बैठक में जाकर सम्मान पत्र, प्रमाण पत्र व नेत्रदान पट्टीका प्रदान की जाती है। नेत्रदान के बारे में जानकारी दी जाती है।
9. विभिन्न अस्पतालों व संगठनों के द्वारा मृत्यु की सूचना मिलने पर परिजनों से मोबाइल पर परामर्श कर नेत्रदान की सहमति प्राप्त कर कॉर्निया प्राप्त किया जाता है। वहां उपस्थित लोगों को नेत्रदान के बारे में जानकारी दी जाती है।

निष्कर्ष

नेत्रदान एक ऐसा दान है जो किसी व्यक्ति को दृष्टि प्रदान कर सकता है और उसके जीवन को रोशन कर सकता है। यह एक ऐसा कार्य है जो न केवल आत्म–संतुष्टि प्रदान करता है, बल्कि समाज के प्रति भी एक बड़ा योगदान है। हमें नेत्रदान के बारे में जागरूक होना चाहिए और अधिक से अधिक लोगों को नेत्रदान करने के लिए प्रेरित करना चाहिये।

श्री रामदयाल जाट
सहायक मैनेजर, एच.सी.आर.पी.
ईबीएसआर

गाँव-देहात में नेत्रदान जागरूकता की अलख : अंधकार से उजाले की ओर

आँखें मानव शरीर का वह अमूल्य उपहार हैं, जिनके माध्यम से मनुष्य न केवल इस संसार की सुंदरता को निहारता है, बल्कि जीवन को अर्थ, आनंद और दिशा भी प्रदान करता है। आँखों से ही हम प्रकृति की अनुपम छटा, नदियों की अविरल धारा, पर्वतों की ऊँचाइयाँ, फूलों से महकते वन, झरनों की कलकल, शीतल पवन में लहलहाती फसलें तथा चंद्रमा की चाँदनी में टिमटिमाते तारों का सौंदर्य देखते हैं। सच ही कहा गया है कि आँखें जीवन की खिड़की हैं, जिनसे संसार की हर रंगीन तस्वीर दिखाई देती है।

कवियों और साहित्यकारों ने अपनी रचनाओं में आँखों को विशेष महत्व दिया है। प्रेम, विरह, करुणा और भक्ति हर भाव की अभिव्यक्ति आँखों के माध्यम से होती है। एक प्रसिद्ध उक्ति है– 'नैनों की रोशनी क्या गई, संसार ही चला गया'। वास्तव में, दृष्टिहीन व्यक्ति के लिए जीवन होते हुए भी चारों ओर अंधकार छा जाता है और उसका संसार सीमित हो जाता है।

जन्मजात कारणों, गंभीर बीमारियों अथवा दुर्घटनाओं के परिणामस्वरूप होने वाली लाइलाज अंधता का एकमात्र प्रभावी समाधान नेत्र प्रत्यारोपण है। किंतु यहाँ सबसे बड़ा प्रश्न यह उठता है कि जरूरतमंदों के लिए आँखें कहाँ से आएँ? आँखें कृत्रिम रूप से नहीं बनाई जा सकतीं। इसके लिए हमें उन संवेदनशील परिवारों की आवश्यकता होती है, जो किसी परिजन के निधन के बाद मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए उनके नेत्रदान का संकल्प लेते हैं। यह निर्णय किसी नेत्रहीन व्यक्ति के जीवन में फिर से रोशनी भर सकता है।

मरणोपरांत शरीर को अग्नि के हवाले कर देना या दफन कर देना हमारी परंपरा है, किंतु यदि उसी शरीर के कुछ अंग विशेषकर आँखें दान कर दी जाएँ, तो वे किसी अन्य व्यक्ति को नया जीवन दे सकती हैं। नेत्रदान केवल एक दान नहीं, बल्कि मानवता की सबसे बड़ी सेवा है।

नेत्रदान के प्रति समाज में जागरूकता फैलाने के लिए सामाजिक कार्यकर्ताओं, स्वयंसेवी संगठनों, शिक्षण संस्थानों और आमजन की सामूहिक भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। इसके साथ ही सरकारों का सहयोग भी जरूरी है, ताकि इस अभियान को मिशन मोड में चलाकर अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचाया जा सके।

देश के अनेक ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी अंधविश्वास, भ्रांतियाँ और पूर्वाग्रह गहराई से जड़ें जमाए हुए हैं। इन्हीं कारणों से नेत्रदान जैसे पुण्य कार्य के प्रति लोगों को प्रेरित करना कठिन हो जाता है। किंतु निरंतर प्रयास, सही जानकारी, संवाद और सकारात्मक उदाहरणों के माध्यम से इस सोच को बदला जा सकता है।

पिछले कुछ वर्षों में यह स्पष्ट रूप से देखने को मिला है कि नेत्रदान के प्रति लोगों की मानसिकता में सकारात्मक परिवर्तन आया है। शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ अब ग्रामीण अंचलों में भी नेत्रदानी परिवारों की संख्या निरंतर बढ़ रही है। यह परिवर्तन इस बात का संकेत है कि जागरूकता अभियानों का प्रभाव धीरे-धीरे समाज में गहराई से उतर रहा है।

आज गाँवों में शिक्षा के प्रति सोच तेजी से बदल रही है। ऐसे में आवश्यक है कि नेत्रदान जागरूकता कार्यक्रमों का विस्तार विद्यालयों, महाविद्यालयों और युवा मंचों तक किया जाए, ताकि आने वाली पीढ़ी इस मानवीय कार्य को अपनाकर समाज में दृष्टि का उजाला फैला सके।

नेत्रदान एक ऐसा पुण्य कार्य है, जिसमें मृत्यु के बाद भी जीवन का संचार होता है। यदि समाज का प्रत्येक व्यक्ति इस विषय पर गंभीरता से विचार करे, तो न जाने कितने जीवन अंधकार से निकलकर उजाले की ओर अग्रसर हो सकते हैं। यही सच्ची मानवता है और यही हमारे प्रयासों का अंतिम उद्देश्य।

हम जो चाहें तो हालात बदल सकते हैं।
नेत्रहीनों की दुनिया रोशन कर सकते हैं।
हम ठहरे ना रहें , झील के पानी की तरह।
आओ दरिया बनकर बहें , हमें दूर तलक जाना है।

राज कुमार शर्मा
सदस्य
ईबीएसआर

हमें ही जामवंत बनना होगा। सभी नेत्रदान को कर्तव्य समझ कर हमेशा याद रखें। कहीं भी असामयिक निधन होने पर वहाँ उपस्थित लोगों को ही उस परिवार के लोगों को याद जरूर करवाना है। यह कोशिश जरूर करनी है। दुखी परिवार को कभी नेत्रदान की बात याद नहीं रह सकती।

रोशनी की सौगात

हिंद महासागर के मध्य एक छोटा सा द्वीप है,श्रीलंका, एक ऐसा देश, जो सिर्फ अपनी सुंदरता के लिए नहीं, बल्कि अपनी करुणा के लिए जाना जाता है, क्योंकि वहां के लोगों के दिलों में मानवता कूट कूट कर भरी हुई है।

श्रीलंका वह देश है, जो दुनिया को देता है, मानवता का सबसे अनमोल उपहार **दृष्टि का उपहार**। पिछले कई दशकों से, श्रीलंका दुनिया में सबसे अधिक नेत्रदान करने वाला देश है। बौद्ध धर्म में करुणा के भाव को सर्वोच्च गुण माना जाता है। बिना किसी अपेक्षा के देना, सबसे पवित्र दान है। मृत्यु के बाद अपना नेत्रदान करना; सबसे महान पुण्य, एक अंतिम आशीर्वाद है, जो एक जीवन से दूसरे जीवन तक उजाला पहुँचा देता है।

1961 में, श्रीलंका आई डोनेशन सोसाइटी ने एक संकल्प लिया, कि दुनिया में कोई भी व्यक्ति अंधकार में न रहे, क्योंकि मात्र एक कॉर्निया का दान दूसरों की ज़िंदगी में रोशनी ला सकता है। दिन हो या रात, उनके स्वयं सेवक जहां भी नेत्रदान की संभावना हो, कुछ ही मिनटों में पहुँच जाते हैं। श्रीलंका नेत्रदान सोसायटी, यह संगठन इस आंदोलन की रीढ़ है, जिसकी 450 से अधिक शाखाएँ और 15,000 से अधिक स्वयं सेवक हैं, जो कि कार्निया निष्कर्षण (extraction) के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। श्रीलंका का नेत्र बैंक दुनिया का पहला ऐसा संगठन है, जो जनता को मुफ्त कॉर्निया की आपूर्ति करता है। श्रीलंका 50 से अधिक देशों को कार्निया निर्यात करता है। वहां प्रत्येक व्यक्ति मरणोपरांत नेत्रदान करता है।

श्रीलंका की तरह हमें भारत में भी नेत्रदान को एक सशक्त जन आंदोलन बनाना चाहिए।

श्रीलंका में नेत्रदान विश्व में सबसे सफल अभियानों में से एक है। वहाँ की सफलता तीन बातों पर आधारित है:

(1) धार्मिक–सांस्कृतिक समर्थन

(2) समुदाय की सक्रिय भागीदारी

(3) मजबूत आई बैंक नेटवर्क

भारत में भी निम्नलिखित तरीकों को अपनाकर हम नेत्रदान आंदोलन को और सक्रिय कर सकते है:

1. **धार्मिक व आध्यात्मिक धर्म गुरुओं की भागीदारी**

हिंदू पुजारियों, जैन संतों, सिख गुरुओं, मुस्लिम मौलवियों, ईसाई पादरियों, ब्रह्मा कुमारी, आर्य समाज आदि के प्रवचनों में नेत्रदान का संदेश शामिल किया जाना चाहिए।

प्रवचनों में छोटे संदेश शामिल हों:

नेत्रदान – महादान

अंतिम सेवा, जो किसी को रोशनी दे

2. **स्कूलों और कॉलेजों में जागरूकता कार्यक्रम**

स्कूल के पाठ्यक्रम में नेत्रदान के अध्याय को जोड़ना चाहिए, जिससे कि वे इसे समझे एवं छोटी उम्र से ही उनके जहन में सेवा की भावना जाग्रत हो। NCC/NSS कार्यक्रमों में छात्रों को नेत्रदान की शपथ दिलानी चाहिए।

नेत्रदान विषय पर कविता, पोस्टर और रील प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाना चाहिए एवं उनका संबल बढ़ाने हेतु पारितोषिक वितरित करना चाहिए।

3. **ज्योति मित्र नेटवर्क**

भारत में हर क्षेत्र में नेत्रदान ज्योति मित्र बनाए जाएँ, जो नेत्रदान को समाज की परंपरा बनाने में सहयोग कर सके एवं नेत्रदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने में अपना सक्रिय योगदान दे सके।

4. नेत्र दान दानदाताओं और प्राप्त कर्ताओं की सच्ची कहानियां बहुत प्रभावशाली साबित हो सकती है। इनका संदेश एवं प्रत्यक्ष अनुभव प्रेरणादायक एवं मन पर गहरा प्रभाव डाल सकता है।

5. **लोकप्रिय व्यक्तियों की भागीदारी**

यदि बॉलीवुड/क्षेत्रीय कलाकार, क्रिकेट खिलाड़ी, आध्यात्मिक नेता, स्थानीय सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर नेत्रदान का संदेश दें, तो इन लोगों की बात का आम जनता पर बहुत प्रभाव पड़ सकता है। समाज के लोकप्रिय व्यक्तियों को नेत्रदान हेतु ब्रांड अधिवक्ता बनाकर नेत्रदान के संदेश को लोगों तक पहुंचाया जा सकता हैं, उनके कई अनुयायी होते हैं।

6. **डिजिटल और सोशल मीडिया अभियान**

हम डिजिटल युग में जी रहे हैं। हम फेसबुक पेज, यूट्यूब चैनल और इंस्टाग्राम पेज के माध्यम से लाखों लोगों को एक साथ नेत्रदान का संदेश दे सकते हैं।

7. अस्पतालों एवं आई बैंकों में प्रशिक्षित आई डोनेशन काउंसलर होना आवश्यक है, जो मृत्यु के समय परिवार वालों को अच्छी तरह नेत्रदान के लिए तैयार कर सके।

8. सशक्त कॉर्निया रिट्रीवल टीमों का होना जरूरी है, जो समय आने पर तुरंत कॉर्निया निष्कर्षण के लिए पहुंच सके।

9. समाज में व्याप्त नेत्रदान संबंधित मिथको को दूर करना जरूरी है। वीडियो और पर्चियों के माध्यम से यह जागरूकता फैलाई जा सकती है।

10. त्यौहारों और सामुदायिक आयोजनों, मेलों और नेत्रदान पखवाड़े के दौरान दृढ़तापूर्वक नेत्रदान जागरूकता अभियान चलाया जाना चाहिए। अस्पतालों में और मंदिरों में या ऐसे स्थान जहां कई लोग आते हों, नियमित रूप से नेत्रदान हेल्प डेस्क लगाए जाने चाहिए, जहां आगंतुक नेत्रदान संकल्प पत्र भी भर सकते हैं।

11. नेत्रदान परिवारों के प्रवेश द्वार पर नेत्रदान पट्टिका लगाई जा सकती है, जिस पर यह लिखा जा सकता है, हमें नेत्रदानी परिवार होने पर गर्व है। ऐसा करने से उन परिवारों को गौरवान्वित किया जा सकेगा और अन्य लोगों को भी नेत्रदान करने की प्रेरणा मिलेगी।

निष्कर्ष

हम सभी को मिलकर आई बैंक नेटवर्क को मजबूत करना होगा। नेत्रदान को परिवार की परंपरा बनाएं, जहां जाएं वहां नेत्र दान के बारे में बात करें, नेत्रदान की प्रक्रिया को समझाएं एवं सभी को हेल्पलाइन नंबर बताएं, कॉलेज के छात्रों को ज्योति मित्र बनाएं एवं उन्हें प्रेरित करें कि वह समाज में नेत्रदान के प्रति लोगों को जागरूक करें।

अंजू जैन
एग्जीक्यूटिव मेम्बर
ईबीएसआर

लक्ष्य के नेत्र दान

मात्र चार वर्ष की उम्र मे कोई दुनिया छोड़ कर चला जाए और उसके परिजन इस कठिन स्थिति मे भी नेत्र दान करवाने जैसा महान कार्य कर समाज के सामने उत्कर्ष उदाहरण पेश करने वाले धन्य हैं।

लक्ष्य पुत्र श्री संदीप देशलहरा पौत्र श्री सोहनलाल देशलहरा का अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) जोधपुर में उपचार के दौरान हृदय गति थम जाने से निधन हो गया। तेरापंथी युवक परिषद के कैलाश जैन, अनिल नाहटा, उमेश टांटिया के मोटीवेशन से दिवंगत के पिता, दादा, चाचा गौतम चन्द एवम् अन्य परिजनो की सहमति पर आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान के तकनीकी कर्मचारी व्यास ने दिवंगत के दोनों नेत्रों के कॉर्निया प्राप्त किए।

आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान दिवंगत परिवार के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करती हैं।

श्रीगंगानगर चेप्टर

नेत्रदान की अलख जगी

श्रीगंगानगर चेप्टर डॉ. एस.एस. टांटिया मेमोरियल आई डोनेशन अवेयरनेस सोसायटी के सहयोग से संरक्षक डॉ. मोहित टांटिया के निर्देशन में कार्य कर रहा है। सोसायटी सदस्यों ने शहरी और ग्रामीण इलाकों में जहां कई लोगों को प्रेरित कर उनके परिजनों के नेत्रदान करवाए वहीं नेत्रदान संकल्प पत्र भरवाकर लोगों को नेत्रदान के लिए प्रेरित किया गया। सोसायटी सदस्यों ने पूर्ण समर्पण और निष्ठा से कार्य करते हुए कई जगह हेल्प डेस्क लगवाकर नेत्रदान के इस कार्य से लोगों को जोड़ा।

- विश्व दृष्टि दिवस के उपलक्ष्य में विद्यार्थियों ने आँखों पर काली पट्टी बांधकर नेत्रदान जागरूकता का संदेश दिया। उन्होंने नेत्रहीनों की समस्या को समझा और आमजन से आग्रह किया कि वे नेत्रदान का संकल्प आवश्यक रूप से लें ताकि दुनिया से जाने के बाद नेत्रदान करने वालों की आंखों से दुनिया देखते रहे।
- श्रीगंगानगर के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में शहर के महाराजा गंगासिंह चौक पर 'जोत से जोत जगाओ' कार्यक्रम में नेत्रदान जागरूकता का संदेश दिया गया। इस मौके पर नेत्रदान जागरूकता सम्बन्धी पर्चों का वितरण भी किया गया। शिविर लगाकर संकल्प पत्र भरवाए गए।
- नेत्रदान जागरूकता के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए पंजाब के गांव कल्लरखेड़ा में शिविर लगाकर नेत्रदान संकल्प पत्र भरवाए गए। सरपंच पूनम रानी की देखरेख में हुए आयोजन में आमन को नेत्रदान से लाभ की जानकारी दी गई। नेत्रदान जागरूकता सम्बन्धी पोस्टर का विमोचन भी किया गया।
- टांटिया यूनिवर्सिटी के कर्मद्वार पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य उज्ज्वल अरोड़ा और युवाओं ने नेत्रदान जागरूकता पोस्टर का विमोचन किया। इस मौके पर सोसायटी के को–कॉर्डिनेटर निशांत गर्ग सहित कई लोग मौजूद रहे।

वित्तीय दान दाताओं की सूची (अक्टूबर से दिसम्बर, 2025)

क्र.	नाम	राशि
1.	श्री गणपत सिंह सिंघवी	100000
2.	पं. माधव राय शर्मा चेरिटेबल ट्रस्ट	100000
3.	श्री रमेश भण्डारी	51000
4.	पं. बद्री प्रसाद महर्षि चेरिटेबल ट्रस्ट	21000
5.	श्री बृजमोहन शर्मा	11000
6.	श्री राजेन्द्र सिंह भण्डारी	10100
7.	श्री के. के. बाकीवाला	10000
8.	श्री आई. सी. श्रीवास्तव	5000
	कुल	308100

जोधपुर चेप्टर

दृष्टिदाता सम्मान समारोह

आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान, जोधपुर चेप्टर के तत्वावधान में 5 अक्टूबर, 2025 को सूरसागर, बड़ा रामद्वारा, जोधपुर में दृष्टिदाता सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। परम पूज्य परमहंस संत डॉ. रामप्रसाद जी महाराज के सान्निध्य में आयोजित इस समारोह में श्रीरतन लाहोटी (पूर्व प्रशासनिक अधिकारी), श्री सुरेश राठी, श्री राहुल सिंघवी, डॉ. संजीव देसाई की गरिमामय उपस्थिति रही।

इस समारोह में 130 व्यक्तियों के परिवार वालों को दृष्टिदाता सम्मान पत्र भेंट किये।

इस समारोह में कॉर्निया प्रत्यारोपित (दृष्टि प्राप्त करने वाले) व्यक्तियों को बुलाकर उनके संस्मरण सभा में उन्हीं के द्वारा सुनाये गये। उक्त अवसर पर संत रामप्रसाद जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि नेत्रदान पुनित कार्य है। उन्होंने कहा कि रामद्वारा परिसर में नया सभागार बनने के बाद यह पहला कार्यक्रम है। भविष्य में जब भी आई बैंक को आवश्यकता हो इस भवन को उपयोग ले सकते हैं।

इस अवसर पर डॉ. संजीव देसाई ने कहा कि हमारे देश में एक अनुमान के अनुसार 25 लाख लोगों को नेत्र ज्योति की आवश्यकता होती है जबकि डेढ़ लाख से भी कम नेत्रों के कॉर्निया प्राप्त होते हैं। श्री लाहोटी ने कहा कि कॉर्निया अंधत्व केवल नेत्रदान से ही कम किया जा सकता है। समारोह में शिक्षाविद् डॉ. निर्मल गहलोत ने नेत्रदान के महत्व को दृष्टिविहीन ही समझ सकता है। श्री राहुल सिंघवी ने बताया कि वे आई बैंक द्वारा की जा रही सेवाओं से बहुत प्रभावित हुए हैं। समारोह में श्री सुरेश राठी, श्री वेद प्रकाश एवं कई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

समारोह के प्रारम्भ में आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान, जोधपुर चेप्टर के अध्यक्ष श्री राजेन्द्र जैन ने आगन्तुक अतिथियों का स्वागत किया एवं संस्थान की कार्यकारिणी को विस्तार से बताया। इस अवसर पर आई बैंक के सचिव श्री पुखराज अग्रवाल, श्रीमती वंदना माथुर, श्री राजेश सिंघवी, श्री मनोज मेहता, श्री राजेन्द्र जालानी, श्री दामोदर कंसारा, श्री जगदीश सोनी, श्रीमती निरूपमा पटवा सहित कई सदस्य उपस्थित रहे।

अजमेर चेप्टर

10–12 अक्टूबर, 2025 को आयोजित होने मेलों में नेत्र बैंक की एक स्टॉल लगाई गई जहाँ आये लोगों को नेत्रदान के बारे में जानकारी दी गई एवं संकल्प पत्र भरवाये गये।

15 अक्टूबर, 2025 को भारत विकास परिषद की बैठक में उपस्थित लोगों, प्रतिनिधियों को नेत्रदान की सम्पूर्ण जानकारी देने के साथ ही उनके प्रश्नों का भी उचित समाधान किया गया।

टाटा कार्गो द्वारा सोंदीकिया गांव में नेत्र जांच शिविर में 170 ड्राइवरों एवं कार्गो कर्मचारियों की आंखों की जांच करने के साथ ही उन्हें नेत्रदान के लिये भी प्रेरित किया गया। यह कार्यक्रम 1 दिसम्बर, 2025 को आयोजित हुआ।

अजमेर लायन्स क्लब द्वारा रामसर गांव में नेत्र जांच शिविर लगाया गया जहां अजमेर चेप्टर की ओर से 400 लोगों की जांच के साथ ही नेत्रदान सम्बन्धी जानकारी एवं भ्रांतियों का हल किया गया।

जे.एल.एन. हॉस्पिटल अजमेर की हीरक जयंती समारोह में नेत्रदान पर एक लघु फिल्म दिखाई गई। लगभग 500 डॉक्टर्स ने इसमें भाग लिया।

इस क्वाटर में 88 कॉर्निया एकत्रित किये गये एवं 11 केरेटोप्लास्टी अजमेर मेडिकल हॉस्पिटल के द्वारा की गई।

जयपुर चेप्टर

मंदिरों तक पहुंची नेत्रदान की मुहिम

1.12.2025 को गोविन्द देव जी मंदिर में नेत्रदान जागरूकता हेल्प डेस्क लगाई गई जिसमें 100-125 लोगों ने नेत्रदान के सम्बन्ध में टैक्नीशियन्स से जानकारी प्राप्त की। 122 लोगों ने नेत्रदान के लिये संकल्प पत्र भरे।

दिनांक 9.12.2025 को खोले के हनुमान जी मंदिर में भी हेल्प डेस्क लगाई गई। लगभग 150 लोगों ने जानकारी प्राप्त करने के साथ-साथ ही 40 लोगों ने नेत्रदान के लिये संकल्प पत्र भरे।

18 दिसम्बर को महावीर इंटरनेशनल पिंकसिटी की ओर से आयोजित नि:शुल्क नेत्र लैंस प्रत्यारोपण शिविर में भी नेत्रदान के लिये जानकारी देने के लिए हेल्प डेस्क लगाई गई।

31.12.2025 को शहर से बाहर निकलकर भारत विकास परिषद शाखा बांदीकुई के तत्वावधान में नेत्रदान जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया जहां बड़ी संख्या में लोगों ने जानकारी प्राप्त की। स्थानीय विधायक श्री भागचन्द जी सैनी के साथ तीस लोगों ने नेत्रदान का संकल्प पत्र भरा।

28 दिसम्बर को राधा स्वामी सत्संग जयपुर में वहां के मेडिकल स्टाफ को नेत्रदान के बारे में सम्पूर्ण जानकारी दी गई।

इन सभी कार्यक्रमों में जयपुर केन्द्र के टैक्नीशियन्स एवं मेम्बर्स ने पूर्ण सहयोग किया।

नेत्रदानी परिवार का आभार प्रदर्शित करने हेतु तीसरे दिन की बैठक में जाकर श्रद्धांजलि देने के साथ ही उन्हें समवेदना पत्र देने का कार्य नियमित रूप से श्री रामदयाल जाट सहायक निदेशक ईबीएसआर, जयपुर तथा सदस्यों द्वारा किया जा रहा है।

सरदारशहर चेप्टर

नेत्रदान का संकल्प

दिनांक 11 अक्टूबर, 2025 को प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के शुभारम्भ कार्यक्रम में जहां, स्थानीय जनप्रतिनिधि राजकीय अधिकारी किसान एवं महिलाएं उपस्थित थी। वहां श्री गणेश दास स्वामी समन्वयक चूरू चेप्टर एवं टैक्नीशियन भंवरलाल प्रजापत द्वारा लगभग 500 किसानों को नेत्रदान की सम्पूर्ण प्रक्रिया एवं आज की आवश्यकता के बारे में जानकारी दी गई एवं सामग्री वितरित की गई।दिनांक 13 दिसम्बर, 2025 को सरस्वती बी.एड. कॉलेज में उपस्थित लोगों को एवं एस.बी.डी. राजकीय महाविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय समान सरदारशहर में एवं सी.सी. कैडेट्स को नेत्रदान के बारे में जानकारी देकर व्याप्त भ्रान्तियों को भी दूर किया गया।

31 दिसम्बर को उपखण्ड अधिकारी रामकुमार वर्मा ने नेत्रदान संकल्प पत्र भरा एवं नेत्रदान के लिये पूर्ण समर्थन देने की बात कही। नेत्रदान हेतु इन प्रयासों में नेत्र संग्रह केन्द्र के समन्वयक श्री गणेशदास स्वामी की प्रमुख भूमिका रही।

राजस्थान नेत्र ज्योति
अक्टूबर – दिसम्बर 2025

पुलिस विभाग का सहयोग

1. जागरूकता कार्यशालाएँ (Awareness Workshops)

Shine India Foundation एवं BBJ Chapter के संयुक्त तत्वावधान में बारां एवं बूंदी जिलों के विभिन्न राजकीय एवं निजी विद्यालयों में नेत्रदान, अंगदान एवं देहदान विषय पर व्यापक जागरूकता कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

कापरेन (बूंदी) स्थित सरस्वती बाल उच्च माध्यमिक विद्यालय, राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय सहित कई शिक्षण संस्थानों में कार्यशालाएँ आयोजित की गईं।

पलायथा ग्राम (बारां) के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, राजकीय महात्मा गांधी विद्यालय एवं राजकीय प्रवेशिका संस्कृत विद्यालय में कक्षा 6 से 12 तक के 700 से अधिक विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को नेत्रदान–अंगदान की जानकारी दी गई।

कार्यशालाओं में डॉ. कुलवंत गौड़ एवं डॉ. संगीता गौड़ द्वारा सरल, सहज भाषा एवं लघु कथाओं के माध्यम से भ्रांतियों का निवारण किया गया।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं के माध्यम से बच्चों को सक्रिय सहभागिता हेतु प्रेरित किया गया तथा सही उत्तर देने वाले विद्यार्थियों को Shine Medal प्रदान किए गए।

2. नेत्रदान गतिविधियाँ (Eye Donation Activities)

वर्ष 2025 की अंतिम तिमाही (अक्टूबर–दिसंबर) में EBSR–BBJ Chapter द्वारा कुल 32 जोड़ी नेत्रदान (32 Pair Eye Donation) सफलतापूर्वक संपन्न कराए गए।

नेत्रदानी परिवारों को संवेदनात्मक सहयोग एवं सम्मान प्रदान किया गया।

3. पुलिस विभाग का सहयोग

नेत्रदानी परिवारों का मनोबल बढ़ाने हेतु संभाग के पुलिस विभाग द्वारा घर जाकर सम्मान किया गया।

कोटा, बूंदी एवं देवली क्षेत्र के पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों का नेत्रदान अभियानों में सराहनीय सहयोग प्राप्त हुआ।

इस पहल से समाज में नेत्रदान, अंगदान एवं देहदान के प्रति सकारात्मक संदेश गया।

4. सामाजिक प्रभाव (Social Impact)

विद्यालयों के माध्यम से नेत्रदान–अंगदान का संदेश घर–घर तक पहुँचा।

विद्यार्थियों में मानवीय संवेदना, सामाजिक जिम्मेदारी एवं आत्मविश्वास का विकास हुआ।

नेत्रदानी परिवारों को समाज में सम्मानजनक पहचान मिली, जिससे अन्य लोग भी दान हेतु प्रेरित हुए।

कोटा चेप्टर

राजकीय अस्पताल में हेल्प डेस्क

1. आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान कोटा चेप्टर के अध्यक्ष द्वारा निरन्तर नेत्रदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु समय–समय पर सामाजिक संगठनों, स्कूल, कॉलेज एवं सोशल मीडिया के माध्यम से जागरूक संदेश प्रसारित करवाया एवं इसी के परिणामस्वरूप कोटा में नेत्रदान बढ़ा है।
2. नेत्रदानी की तीये की बैठक में सोसायटी प्रतिनिधि के रूप में उपलब्ध Executive Member एवं EBSR Technician श्री टिंकू ओझा द्वारा शोकाकुल परिजनों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर नेत्रदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयत्न किया गया।
3. पिछले तिमाही में कोटा चेप्टर Technician द्वारा 32 दिवंगत पुण्य आत्मा के नेत्रदान लिये गये।
4. आई बैंक सोसायटी कोटा चेप्टर के टेक्नीशियन श्री टिंकू ओझा द्वारा सरकारी एमबीएस हॉस्पिटल में शिविर के माध्यम से लोगों को नेत्रदान के प्रति जागरूक किया गया एवं लोगों से नेत्रदान संकल्प पत्र भरवाया गया।
5. आई बैंक सोसायटी कोटा चेप्टर के कॉर्डिनेटर डॉ. सुरेश पाण्डे द्वारा समय–समय पर नेत्रदान में जागृति एवं इस विषय में प्रचलित भ्रांतियों के सम्बन्ध में अपने लेख से विस्तारपूर्वक मुख्य समाचार पत्र द्वारा प्रकाशित किये गये।
6. आई बैंक सोसायटी कोटा चेप्टर द्वारा सभी मेम्बर का दीपावली मिलन समारोह होटल 36 स्कॉयर, आर.के. पुरम् में दिनांक 6 नवम्बर, 2025 को आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम पर शहर के प्रतिष्ठित डॉक्टर, समाजसेवी सहित 60 ईबीएसआर मेम्बर ने परिवार सहित भाग लिया। उक्त आयोजन में मनोरंजन के साथ डिनर की व्यवस्था रखी गई थी। आई बैंक के कार्य में सहयोग करने वाले प्रबुद्धजनों को भी हमने आमंत्रित किया था। साथ में कुछ नये ईबीएसआर सदस्यों को भी जोड़ा गया। सभी को नेत्रदान के बारे में जानकारी भी दी गई।

कोटा में नेत्रदान का सामाजिक कार्य करने के लिए भारत विकास परिषद द्वारा आयोजित समारोह में राजस्थान के राज्यपाल महामहिम हरिभाऊ किशनराव बागड़े द्वारा डॉ. के. के. कंजोलिया सचिव एवं श्री टिंकू ओझा को कोटा–ईबीएसआर चेप्टर की ओर से सम्मानित किया गया।

दौसा चेप्टर

जन-जन तक पहुंचा नेत्रदान का संदेश

दिनांक 11/10/2025 को बालावास ग्राम में नरेगा कर्मियों के साथ नेत्रदान जागरूकता संबंधी मीटिंग आयोजित की गई। इस मीटिंग का मुख्य उद्देश्य उपस्थित कर्मियों को नेत्रदान के महत्व, प्रक्रिया एवं इससे जुड़ी भ्रांतियों के बारे में जानकारी प्रदान करना था।

दिनांक 15/11/2025 को ग्राम ठिकरिया में नरेगा कर्मियों के साथ नेत्रदान से संबंधित जागरूकता मीटिंग आयोजित की गई। एक नेत्रदाता द्वारा दो नेत्रहीन व्यक्तियों को दृष्टि प्रदान की जा सकती है। साथ ही कॉर्निया ट्रांसप्लांट से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ भी साझा की गईं।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, आलूदा व नयाबास विद्यालय में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को नेत्रदान के महत्व, प्रक्रिया एवं सामाजिक उपयोगिता के बारे में जागरूक करने का कार्यक्रम किया गया। आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान के कार्यों, उद्देश्यों एवं नेत्रदान संग्रहण एवं प्रत्यारोपण प्रक्रिया में उनकी भूमिका के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई, जिससे विद्यार्थियों में संस्था के कार्यों के प्रति समझ एवं विश्वास उत्पन्न हो सके।

बेजवाडी पंचायत परिसर में नेत्रदान जागरूकता संबंधी कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पंचायत में उपस्थित कर्मचारियों को नेत्रदान के महत्व, प्रक्रिया एवं सामाजिक उपयोगिता के बारे में जानकारी प्रदान करनाआई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान के कार्यों, उद्देश्यों एवं नेत्रदान प्रक्रिया में उनकी भूमिका के बारे में भी विस्तार से जानकारी प्रदान की गई, जिससे उपस्थित कर्मचारियों को संस्था के कार्यों की स्पष्ट समझ प्राप्त हो सके। उन्होंने नेत्रदान जैसे पुण्य कार्य को समाज के लिए अत्यंत उपयोगी बताते हुए इस विषय पर पंचायत स्तर पर जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया।

नेत्र दानदाताओं की सूची

क्र.स. नाम पता

अक्टूबर, 2025

1. किशन लाल माणविकिया, भीलवाड़ा
2. रमेश कुमार, दौसा
3. इमरान खान, जयपुर
4. सुरेश कुमार गुप्ता, कोटा
5. पारसमल गेल्डा, राजसमंद
6. श्रीमती रसल कंवर, जोधपुर
7. मोनू बर्मन, जयपुर
8. पार्थ जैन, जयपुर
9. जितेन्द्र कुमार मीना, दौसा
10. रेखा लोहानी, भीलवाड़ा
11. विनीता हाड़ा, अजमेर
12. परमानंद सिंधी, आरएल–4 पंचायती
13. पन्ना, नवलगढ़
14. सुनीता सोलंकी, जोधपुर
15. मोहन लाल छाबड़ा, श्रीगंगानगर,
16. रामदुलारी, डीग
17. तिलोक चंद, श्रीगंगानगर
18. रामपाल, भीलवाड़ा
19. आइना, नोखा
20. राकेश बडगया, अजमेर
21. श्रीमती गीता देवी, अजमेर
22. सोहन देवी नाहटा, रोड तलवंडी
23. गिरीश चंद्र सक्सेना, आर के पुरम
24. अरुणा देवी कावड़िया, आसींद
25. गौतम चंद कावड़िया, आसींद
26. होतूमल लखानी, भीलवाड़ा
27. शुभम जैन, सिरोही
28. उम्मेद मल कोठारी, जोधपुर
29. गौरव कटारिया, ब्यावर
30. राजेंद्र कुमार छाजेड़ , बूंदी
31. हरीश भंडारी, झालावाड़
32. रमेश चंद बोहरा, ब्यावर
33. जतनमल ढोर, जयपुर
34. निकिता आहूजा, कोटा
35. गौरव सतिदशानी, मंदसौर (म.प्र)
36. दीपक गिरि, जोधपुर
37. दुली चंद, बीकानेर
38. बद्री मेघवाल, ब्यावर
39. आरती मेघवाल, जोधपुर
40. प्रभाकर सिंह नेनावाटी, जयपुर
41. रामस्वरूप चचाणी, भीलवाड़ा
42. संतोष चोपड़ा, जोधपुर
43. गीता बाई खंडेलवाल, बारां
44 चिराग, अजमेर
45. सुभी देवी तातेड़, बीकानेर
46. नितिन नुर्जगानी, अजमेर
47. निश्चय काजोत, जोधपुर
48. हुकमी चंद चोरडिया, अजमेर
49. गुलाब चंद जैन, कोटा
50. चन्द्र कला पार्थ, झालावाड़
51. कौशल्या अग्रवाल, चित्तौड़गढ़
52. सत्यनारायण शृंगी, झालावाड़,
53. हीरा बाई, झालावाड़
54. सीताराम सिंह सिसौदिया, कोटा
55. गौतम चंद जैन, झालावाड़
56. सुरेश जैन, कोटा
57. ओमप्रकाश खत्री, बारां
58. कमल किशोर जैन, कोटा
59. कृष्ण चंद्र बाहेती, शास्त्री नगर
60. किरण जैन, ब्यावर
61. रूप चन्द्र पोखरना, शास्त्री नगर
62. महावीर प्रसाद जैन, कोटा
63. हरि चंद गेरा, सुखारिया नगर, एसजीएनआर
64. भंवरसिंह राठौड़, भीलवाड़ा
65. निर्मला चोपड़ा, पाली
66. पारस मल गादिया, पाली
67. नंद सिंह हाड़ा, बूंदी
68. माणक चंद नाहर, पाली
69. अभिषेक मेहता, पाली
70. गिरिराज मैत्री, कोटा
71. पदम चंद शाह, अजमेर
72. पार्वती देवी चांडक, भीलवाड़ा
73 जीतेन्द्र जैन, जोधपुर
74. शांति लाल भन्साली, पावटा बी रोड
75. कौशल्या अग्रवाल, बारां
76 शैल कुमारी पारीक, कोटा
77. विनोद मेहता, अजमेर

नवम्बर, 2025

1. नंदलाल, जयपुर
2. करनाराम, बीकानेर
3 प्यारी देवी, श्री गंगानगर
4. राजरानी, 101 जी ब्लॉक एसजीएनआर
5. श्रीमती सरला देवी सुखलेचा, जयपुर
6. सोहन लाल, भीलवाड़ा
7. कौशल्या भाटिया, कोटा
8. विजय कुमार, भीलवाड़ा
9. वर्षा आचार्य, राजसमंद
10. धर्मदेव चौबे, उदयपुर
11. मानसिंह चौधरी, कोटा
12. गुलाब देवी, नोखा मंडी
13. रणजीत सिंह चौहान, उदयपुर
14. शिव जी लाल मिश्र, भिनाय
15. शशांक पारख, जोधपुर
16. गौमती देवी, बीकानेर
17. धर्मी चंद सैनी, सरवर
18. रामप्यारी, पुरानी आबादी एसजीएनआर
19. अक्षय वोहरा, अजमेर
20. सुनीता, गिरिराज सार
21. उत्तम चंद मुथा, ब्यावर
22. वीणा कोहली, कोटा
23. नरेश कुमार दोशी, नागौर
24. लाल चंद जैन, जोधपुर
25. मुन्नी देवी पवार, सुभाष नगर
26. राजकुमारी जैन, कोटा
27. बृजमोहन हाडा, अजमेर
28. मनीराम मेघवाल, राजसमंद
29. सूरज बाई शर्मा, कोटा
30. मनीष बच्छावत, चूरू
31. श्यामसुंदर गुप्ता, अजमेर
32. प्रवीण चन्द्र जैन, झालावाड़
33. शशि उदय, जयपुर
34. बबूता राम, फलोदी
35. उमा अरोड़ा, जोधपुर
36. जीतेन्द्र साहा, जयपुर
37. चेतना मेहरा, कोटा
38. सरोज जोशी, जोधपुर
39. ऋषभ चंद चौधरी, भीलवाड़ा
40. हुलहासमल लालाणी, भीलवाड़ा
41. हमराज जी मालू, जयपुर
42. पवन कुमार चोपड़ा, डूंगरगढ़
43. सत्यनारायण शर्मा, कोटा
44. श्रीमती मंजू देवी टेलर, विजय नगर बराल
45. डूंगरराम, श्रीडूंगरगढ़
46. चंद्रकांता पारीक, अजमेर
47. उतम चंद जैन, जयपुर
48. कमला देवी नाहटा, बीकानेर
49. सुरेंद्र कुमार इशरानी, भीलवाड़ा
50. दीपक यादव, अजमेर

नेत्र दानदाताओं की सूची

क्र.स.	नाम	पता

51. मनोहर लाल चंदानी, जयपुर
52. बच्छराज नवलखा, जयपुर
53. कांति बाई अजमेरा, बारां
54. गुलाब राय बचाणी, भीलवाड़ा
55. सुशीला तातेड़, अजमेर
56. श्रीमती कंचन देवी कुमथ, अजमेर,
57. प्रेम देवी शर्मा, अजमेर
58. राजेंद्र सिंह तंवर, कोटा
59. शकुंतला बागड़िया, कोटा
60. जीतेन्द्र सोनी, जोधपुर
61. पायल सोनी, जोधपुर
62. सत्यपाल बाठला, बारां
63. महेंद्र विश्नोई, जोधपुर
64. कमल किशोर, साहूवाला
65. शंकुतला देवी, वासुदेव नगर
66. अशोक कुमार जी मेहता, बसी मोहला पिशागन
67. रुकमा देवी कसोरिया, भीलवाड़ा
68. गंगाराम, बीकानेर
69. पूरण देवी गौतम, जयपुर
70. प्रेमसिंह चौधरी, ब्यावर
71. मुस्कान कुम्हार, अजमेर
72. तीजा देवी, बीकानेर
73. कुमारी जानिशी, जोधपुर
74. सत्यनाराण अग्रवाल, किशनगढ़

दिसम्बर, 2025

1. पुष्पा सिंघल, जोधपुर
2. राजेश जैन, बूंदी
3. ओम प्रकाश गुप्ता, कोटा
4. प्रमोद मार्सी, जयपुर
5. नितेश कंजोरिया, अजमेर
6. नरेश पेशवा, जोधपुर
7. सुरेश जैन, जोधपुर
8. बसंत राठी, भीलवाड़ा
9. सौरव गंगवाल, अजमेर
10. अखिलेश विश्व, अजमेर
11. मोहन लाल चौधरी, गरोटा बोलिया मंसूर
12. सूरज स्वामी, चूरू
13. पूनव मेहता, जयपुर
14. शोभा लाल बनगढ़, भीलवाड़ा
15. राजेंद्र कुमार, कोटा
16. जोभाराम, बाड़मेर
17. ध्रुव कोठारी, जोधपुर
18. कपिल माहेश्वरी, बारां
19. कैलाश चांद महेरड़ा, अजमेर
20. सत्यनारायण जोशी, चूरू
21. सौरभ जैन, ब्यावर
22. सुरेश चंद जैन, कोटा
23. कृष्ण गौतम, झालावाड़
24. भंवरी देवी सेमानी, अजमेर
25. चुन्नी लाल, भीलवाड़ा
26. सांवर मल, बीकानेर
27. शिमला देवी, श्रीगमगनर
28. कन्या कलेस, उदयपुर
29. पीथा राम, बीकानेर
30. श्री कृष्ण गुप्ता, कोटा
31. गौरव जैन, सवाई माधोपुर
32. मूल चन्द्र कोठारी, बूंदी
33. तेजमल मालाकार, अजमेर
34. सुशीला देवी डांगरा, अजमेर
35. हरीश कुमार, जैसलमेर
36. योगेश कुमार, अजमेर
37. वेद प्रकाश भटेजा, श्रीगंगानगर
38. प्रताप सिंह, उदयपुर
39. प्रेम चन्द्र जी, जयपुर
40. सरिता बोहल, श्रीगंगानगर
41. प्रकाश चंद्र हरणी, कोटा
42. जमना जोगी, उदयपुर
43. राजरानी जैन, जोधपुर
44. नरेन्द्र मेहता, जोधपुर
45. अशोक कुमार, बीकानेर
46. महेंद्र शर्मा, अजमेर
47. शशि जैन, कोटा
48. किशन लाल, बारां
49. सुशीला शेखावत, उदयपुर
50. पुष्पा देवी सोनी, भीलवाड़ा
51. मोहिनी देवी, बारां
52. धूड़ा राम चौधरी, बीकानेर
53. आदित्य कुमार, जयपुर
54. कल्याण मल जैन, झालावाड़
55. छोटू लाल, बूंदी
56. दीप चन्द्र मेहता, कोटा
57. राम किशोर, पाली
58. कमला नाथवानी, कोटा
59. देताराम, बीकानेर
60. हेमन्त सिंह कटारिया, अजमेर
61. जय जांगिड़, अजमेर
62. भीम सैन, श्रीगंगानगर
63. मनीष पंवार, जोधपुर
64. हंसराज, श्रीगंगानगर
65. कारू लाल विजवाल, बारां
66. कांता देवी, चूरू
67. गजेन्द्र मल भण्डारी, कोटा
68. हेम कंवर, कोटा
69. डेल चंद जैन, जोधपुर
70. चतर लाल घरवाड़ा, उदयपुर
71. कमल मोटावली, उदयपुर
72. लीला देवी, उदयपुर
73. सूर्य प्रकाश मित्तल, झालावाड़
74. मंजू देवी, भीलवाड़ा
75. पारसनल, जयपुर
76. सरोज मकर, जयपुर
77. सुदेश रानी, श्रीगंगानगर
78. ललित मेहता, उदयपुर
79. बलदेव दास आसवानी, ब्यावर
80. वैभव जैन, कोटा
81. सत्य प्रकाश अग्रवाल, कोटा
82. सांवर मल अजमेरा, जयपुर
83. किरण तनेजा, सीकर
84. विनोद कुमार, कोटा
85. बख तवरी देवी, श्रीगंगानगर
86. मंजू देवी, भीलवाड़ा
87. प्रेमा देवी, उदयपुर
88. विमला गंगवानी, उदयपुर
89. विजय सेन, अजमेर
90. दीपा मेहता, बेंगलुरु
91. पुष्पा देवी मेहता, उदयपुर
92. उमा सेठ, कोटा
93. बनिल आर्य, भरतपुर
94. धरम चंद्र सिनायक, जयपुर
95. गेनाराम भील, जोधपुर
96. प्रहलाद राय प्रजापत, जोधपुर
97. मोहन दास चंदानी, भीलवाड़ा
98. अरविन्द कुमार जैन, जयपुर
99. खेताराम, बीकानेर
100. निर्मल रंगावत, कोटा
101. राम प्यारी गर्ग, बूंदी
102. लक्ष्य देसरला, जोधपुर
103. पुष्पा देवी इशरानी, भीलवाड़ा
104. माणक कंवर जी, कोटा

नेत्रदान : भ्रांतियाँ और तथ्य

भ्रांति:	कॉर्निया किसी जीवित व्यक्ति से प्राप्त किया जाता है?
तथ्य:	कभी नहीं, कॉर्निया मृत्यु के पश्चात् ही निकाला जाता है।
भ्रांति:	प्रत्यारोपण के लिए सम्पूर्ण नेत्र को निकाल लिया जाता है?
तथ्य:	नहीं, अब केवल कॉर्निया को ही निकाला जाता है जिसका प्रत्यारोपण में उपयोग किया जाता है।
भ्रांति:	क्या कॉर्निया प्रत्यारोपण एक सफल प्रक्रिया है?
तथ्य:	हाँ, यह एक सफल प्रक्रिया है जिसमें कॉर्नियल प्रत्यारोपण के उपरान्त दृष्टि प्राप्त होती है।
भ्रांति:	मानव कॉर्निया खरीदा और बेचा जाता है?
तथ्य:	नहीं, मानव कॉर्निया की बिक्री या खरीद अवैधानिक है।
भ्रांति:	कॉर्निया केवल उन्हीं लोगों द्वारा दान किया जा सकता है, जिन्होंने अपने जीवित रहते नेत्रदान की प्रतिज्ञा की हो।
तथ्य:	मृत्यु के पश्चात् मृतक के परिजनों की सहमति से कॉर्निया दान किया जा सकता है, चाहे इसके लिए पूर्व में प्रतिज्ञा की गई हो या नहीं।

नेत्रदान का संकल्प करना हुआ अब आसान

- अपने मोबाईल से इस नम्बर पर मिस्डकॉल करें।

7375 855 855

- एसएमएस प्राप्त होने पर वेबसाइट लिंक को क्लिक कर संकल्प पत्र भरें।
- उसी पर अपना प्रमाण पत्र प्राप्त करें।

SCAN & PAY

BHIM SBI Pay

We are looking forward to generous contributions from Organisation, Individuals for this Noble Cause. Bank Particulars for Donations through RTGS/NEFT are as follows :

Bank Name : State Bank of India
A/c No. : 38700274930
Branch : Malviya Nagar Branch, Jaipur, India
IFSC Code : SBIN0006912.
Donation by Cheque/Draft to be made in the name of "Eye Bank Society of Rajasthan, Jaipur"

EYE BANK SOCIETY OF RAJASTHAN

आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान

मोबाइल सर्जिकल यूनिट कैम्पस, मोती डूंगरी रोड, जयपुर – 302 004

फोन : 0141-260 4117, 8559900955, 98292 14013 E-mail : ebsr_jp@hotmail.com • website : www.ebsr.in

For Eye Donation Call Toll Free No. - 18002020388

JAIPUR • UDAIPUR • JODHPUR • AJMER • KOTA • BHILWARA • PALI • ALWAR • BUNDI • BIKANER • SHRI GANGANAGAR • BHARATPUR • CHURU

स्वत्वाधिकारी आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक, अशोक भण्डारी द्वारा पॉपुलर प्रिन्टर्स, जयपुर एवं आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान, मोबाइल सर्जिकल यूनिट कैम्पस, मोती डूँगरी रोड, जयपुर – 302004 द्वारा प्रकाशित

सम्पादक : उषा बापना, सह–सम्पादक : गोविन्द गुरबानी

Website : www.ebsr.in Face book page : fb/eyebanksocietyofraj Youtube : Eye Bank Society of Rajasthan (EBSR)